नकलची बंदर और सौदागर

(कहानी)

3

एक गाँव में टोपियाँ बेचने वाला एक *सौदागर* रहता था। वह टोपियाँ बेचकर अपनी *जीविका* चलाता था। एक दिन वह *नजदीक* के गाँव में टोपियाँ बेचने गया। गर्मी से परेशान होकर वह एक वृक्ष की छाया के नीचे बैठ गया। बैठते ही उसे नींद आ गई। वह अपनी टोपियों से भरे थैले को अपने पास में ही रखकर सो गया।

उस वृक्ष के ऊपर कुछ *शरारती* बंदर बैठे हुए थे। तभी वे सब वृक्ष से नीचे कूद पड़े। *नकलची* बंदरों ने टोपियों वाले थैले में से टोपियाँ निकालकर एक-एक टोपी अपने सिर पर पहन ली। टोपियाँ पहनकर सभी बंदर मस्ती करने लगे और वृक्ष पर चढ़ गए।

जब सौदागर की आँख खुली, तो वह अपने टोपियों से भरे थैले को खाली देखकर *हैरान* रह गया। इधर-उधर देखने के बाद उसने पेड़ पर कुछ बंदरों को टोपियाँ पहने देखा। सौदागर ने बंदरों को डराया लेकिन बंदरों ने टोपियाँ वापस नहीं की। सौदागर को

मालूम था कि बंदर नकलची होते हैं। उसने अपनी टोपी सिर से उतारकर नीचे पटक दी। ऐसा देखकर सभी बंदरों ने भी अपनी-अपनी टोपियाँ सिर से उतारकर जमीन पर फेंक दी। इस प्रकार, सौदागर ने सारी टोपियाँ *इकट्ठी* की और थैले में डालकर घर चला गया।

शब्द-भंडार

सौदागर — व्यापारी *(merchant)*,
नजदीक — निकट *(near)*,
नकलची — बेईमान *(cheater)*,
जीविका — जीवन निर्वाह *(livelyhood)*,
शरारती — शरारत करने वाला *(naughty)*,
इकट्ठी — एकत्र *(collect)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

सौदागर नजदीक वृक्ष शरारती बंदर टोपियाँ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) सौदागर क्या काम करके अपनी जीविका चलाता था?

(ख) कौन नकलची होते हैं?

(ग) सौदागर को क्या मालूम था?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) एक गाँव में टोपियाँ बेचने वाला एक ..... रहता था।

☐ व्यक्ति ☐ सौदागर ☐ दुकानदार

(ख) वृक्ष के ऊपर कुछ ..... बंदर बैठे थे।

☐ मोटे ☐ बड़े ☐ शरारती

(ग) बंदर ..... होते हैं।

☐ नकलची ☐ सौदागर ☐ मोटे

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

मस्ती, पटक, टोपियाँ, थैला

(क) एक गाँव में ..... बेचने वाला एक सौदागर रहता था।

(ख) सौदागर के पास टोपियों से भरा ..... था।

(ग) बंदर टोपियाँ पहनकर ..... करने लगे।

(घ) सौदागर ने अपनी टोपी सिर से उतारकर नीचे ..... दी।

3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) सौदागर टोपियाँ बेचकर अपनी जीविका चलाता था। ☐

(ख) सर्दी के कारण परेशान होकर सौदागर एक वृक्ष की छाया के नीचे बैठ गया। ☐

(ग) वृक्ष के ऊपर कुछ कौए बैठे थे। ☐

(घ) सौदागर अपने टोपियों से भरे थैले को खाली देखकर हैरान हो गया। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) गाँव में टोपियाँ बेचने वाला कौन रहता था?

.....

(ख) सौदागर को किस जगह पर नींद आ गई थी?

.....

(ग) वृक्ष से नीचे कौन कूद पड़े थे?

.....

(घ) सौदागर ने किस प्रकार सारी टोपियाँ इकट्ठी की?

.....

भाषा-ज्ञान

1. निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) धरती – ..... भू .... धरा .....

(ख) वायु – .....

(ग) समुद्र – .....

(घ) सूर्य – .....

2. इनके बहुवचन लिखिए–

(क) गिलहरी – गिलहरियाँ

(ख) किताब – .....

(ग) गुब्बारा – .....

(घ) बस्ता – .....

(ङ) फूल – .....

(च) बोतल – .....

(छ) टोकरी – .....

(ज) खिलौना – .....

3. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) सहेली – मित्र = निकिता की सहेली प्रिया है।

(ख) प्यार – ..... = ...

(ग) उपहार – ..... = ...

(घ) निशानी – ..... = ...

क्रियात्मक गतिविधि

- इस पाठ में बंदरों की विशेषता 'नकलची' है। ऐसे ही आप भी अपनी विशेषता बताइए।
- अपने माता-पिता के साथ चिड़ियाघर जाइए और वहाँ सभी पशु-पक्षियों को ध्यान से देखिए। वे वहाँ कैसे रहते हैं, क्या-क्या खाते हैं? पता कीजिए। फिर अपना अनुभव कक्षा में सुनाइए।
- जिस प्रकार पाठ में बंदरों की विशेषता 'नकलची' बताई गई है। ठीक उसी प्रकार अन्य जानवरों के नाम लिखकर उनकी विशेषताओं सहित उनका एक चार्ट बनाइए।

केवल पठन हेतु

जंगल में रहने वाले सभी पशुओं की पूँछ बहुत सुंदर थी। चुनमुन बंदर की पूँछ लंबी थी। चुटकी लोमड़ी की पूँछ भी लंबी और घने बालों वाली थी। चंपत चीते की भी धारीदार, लंबी व सुंदर पूँछ थी। बंकू खरगोश चाहता था कि उसकी पूँछ लंबी हो।

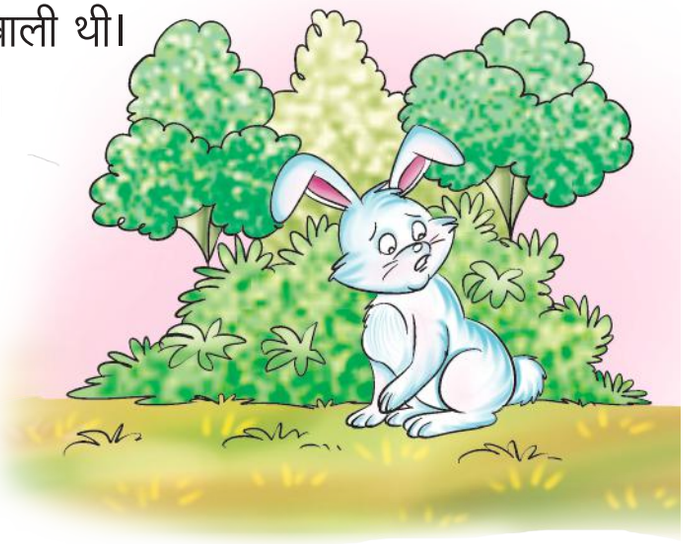

बंकू एक छोटा खरगोश था। उसके बहुत सुंदर सफेद रोएँ थे। उसके दो खूबसूरत लंबे कान थे। उसकी आँखें चमकदार थीं, पर बंकू फिर भी खुश नहीं था। उसे अपनी पूँछ बिलकुल पसंद नहीं थी।

चुन्नू कौवे ने चुनमुन बंदर से कहा– "चुनमुन चलो बंकू के लिए नई पूँछ का इंतजाम करते हैं।" 'चलो', कहकर चुनमुन चुन्नू के साथ गाँव की ओर चला गया।

गाँव में उन्हें रस्सी का एक टुकड़ा मिला। वे उसे उठाकर ले आए। उन्होंने उसे बंकू की पूँछ में बाँध दिया। अब बंकू बहुत खुश था।

अब उसके पास लंबी पूँछ जो थी। बंकू ने चुन्नू और चुनमुन को धन्यवाद दिया। वह अपनी लंबी पूँछ हिलाता हुआ जंगल में इधर-उधर उछलने-कूदने लगा।

"ओह! यह क्या हुआ? मेरी पूँछ कहाँ फँस गई?" बंकू ने दर्द से चीखते हुए पीछे देखा। बंकू की पूँछ झाड़ियों में उलझ गई थी। उसे समझ नहीं आ रहा था, वह क्या करे? वह रोने लगा।

वहीं पास में मिंटू चूहा रहता था। उसने बंकू के रोने की आवाज सुनी। वह बिल से बाहर आया। बंकू की पूँछ झाड़ियों में फँसी देख मिंटू चूहे ने रस्सी कुतर दी। अब बंकू समझ गया कि उसकी छोटी पूँछ ही सबसे अच्छी है।